भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3684
11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: मखाना उत्पादकों को सहायता

3684. श्री दिनेश चंद्र यादवः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) घोषित केंद्रीय बजट 2025-26 में बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके गठन के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) मखाना बोर्ड की प्रशासनिक संरचना, इसके कामकाज से जुड़े मंत्रालय/विभाग या एजेंसी का ब्यौरा तथा इसकी संगठनात्मक संरचना क्या है;

(ग) क्या मखाना बोर्ड के माध्यम से मखाना उत्पादकों को गुणवत्तापूर्ण बीज, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक, प्रशिक्षण, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, भंडारण, विपणन, निर्यात संवर्धन, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बढ़ावा, वित्तीय सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ प्रदान किए जा रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) मखाना बोर्ड के संबंध में स्वीकृत बजट, समय-सीमा, अब तक हुई प्रगति और लाभान्वित किसानों की संख्या का राज्य-वार और जिला-वार ब्यौरा तथा इस संबंध में प्राप्त उपलब्धियां क्या हैं?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 14.09.2025 को किया गया था।

मखाना क्षेत्र के समग्र विकास में सहायता के लिए दिनांक 14.09.2025 को ₹476.03 करोड़ के परिव्यय के साथ मखाना विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना को मंज़ूरी दी गई थी। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड अनुमोदित वार्षिक कार्य-योजना (एएपी) के आधार पर राज्यों को वित्तीय सहायता जारी करता है।

(ख): राष्ट्रीय मखाना बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की संरचना का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ग): यह योजना मखाना किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को उत्पादन और उत्पादकता वृद्धि (क्षेत्रफल विस्तार, बीज उत्पादन), फसलोपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन, अनुसंधान एवं विकास, निर्यात संवर्धन, बाजार एवं ब्रांड विकास, विस्तार गतिविधियों और क्षमता निर्माण के लिए सहायता प्रदान करती है।

(घ): केंद्रीय क्षेत्र की मखाना विकास योजना के तहत, वर्ष 2025-26 के लिए 30 करोड़ रुपए और वर्ष 2026-27 के लिए 90 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। केंद्रीय क्षेत्र की मखाना विकास योजना के तहत राज्यों को स्वीकृत बजट का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत, राज्यों में 1,010 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को मखाना की खेती के अंतर्गत लाया गया है, जबकि 73 हेक्टेयर को बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत लाया गया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) की बागवानी सांख्यिकी इकाई के अंतिम अनुमानों के अनुसार, भारत में मखाना का उत्पादन वर्ष 2024-25 में 2.03 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादकता के साथ 63,910 मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 में (द्वितीय अग्रिम अनुमान) 2.34 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादकता के साथ 80,590 मीट्रिक टन हो गया।

मखाना की उन्नत उत्पादन तकनीकों को प्रदर्शित करने के लिए कुल 89 फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन (एफएलडी) आयोजित किए गए। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों (सीएयू), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) संस्थानों आदि में आयोजित सेमिनारों, एक्सपोजर विजिट और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों का क्षमता निर्माण किया गया। वर्ष 2025-26 के दौरान इस योजना से लाभान्वित होने वाले किसानों की राज्यवार और जिलावार संख्या **अनुलग्नक-III** में दी गई है।

अनुलग्नक-I

राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की संरचना

i. अध्यक्ष;

ii. कृषि और किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, वाणिज्य और उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित केंद्र सरकार के मंत्रालयों/ विभागों का प्रतिनिधित्व करने के लिए पांच सदस्य;

iii. कृषि उत्पादन आयुक्त/ प्रधान सचिव कृषि, बिहार और अन्य मखाना उत्पादक राज्यों से रोटेशन के आधार पर दो अधिकारी;

iv. मखाना उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित);

v. मखाना प्रसंस्करणकर्ताओं/ निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित);

vi. निदेशक, आईसीएआर-राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा (बिहार);

vii. निदेशक, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) या उनके नामित व्यक्ति;

viii. निदेशक, आईसीएआर- केंद्रीय कटाई-उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीएचईटी), लुधियाना (पंजाब);

ix. अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) या उनके नामित व्यक्ति;

x. बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर, भागलपुर के कुलपति या नामित व्यक्ति; और

xi. राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के सचिव।

अनुलग्नक- II

मखाना विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत राज्यों को स्वीकृत बजट।

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	राज्य	वर्ष 2025-26	वर्ष 2026-27
		स्वीकृत बजट	स्वीकृत बजट
1.	बिहार	16.49	52.10
2.	छत्तीसगढ़	1.78	4.11
3.	मणिपुर	2.18	3.15
4.	असम	1.05	2.00
5.	मध्य प्रदेश	1.43	2.19
6.	उत्तर प्रदेश	2.65	10.15
7.	उत्तराखंड	0.50	1.00
8.	जम्मू और कश्मीर	0.41	0.99
9.	पश्चिम बंगाल	-	0.88
10.	झारखंड	-	3.84

अनुलग्नक-III

वर्ष 2025-2026 के लिए केंद्रीय क्षेत्र की मखाना विकास योजना के तहत लाभान्वित किसानों की राज्यवार और जिलावार संख्या

क्र.सं.	राज्य	ज़िला	किसान (संख्या)
1.	बिहार	भागलपुर	43
		दरभंगा	165
		कटिहार	181
		खगरिया	61
		किशनगंज	112
		मधेपुरा	172
		पटना	5
		पूर्णिया	126
		सहरसा	121
		सुपौल	192
कुल			**1276**
2.	मणिपुर	बिश्नुपुर	199
		काकचिंग	129
		थौबल	131
		इम्फाल पश्चिम	129
		इम्फाल पूर्व	126
कुल			**714**
3.	असम	कामरूप मेट्रो	10
		दरांग	1
		बिश्वनाथ	1
		डिब्रूगढ़	1
		श्रीभूमि	20
		बक्सा	1
		मोरीगांव	8
		धुबरी	8
कुल			**50**
4.	मध्य प्रदेश	नर्मदापुरम	380
		सिवनी	80
		पन्ना	76
कुल			**536**
5.	उत्तर प्रदेश	मऊ	100
		बलरामपुर	200
		चंदौली	201
		सीतापुर	100
		कौशांबी	300
		वाराणसी	50
		कुशीनगर	302
		जौनपुर	50
		अयोध्या	200
		बलिया	50
		बस्ती	150
		भदोही	100
		आजमगढ़	50
		बहराइच	250
		रायबरेली	200
		अंबेडकर नगर	300
		सोनभद्र	100
		सिद्धार्थ नगर	201
		बाराबंकी	100
		देवरिया	100
		संत कबीर नगर	201
		गोरखपुर	301
		प्रयागराज	100
		मिर्जापुर	101
		गोंडा	200
कुल			**4007**
6.	छत्तीसगढ़	धमतरी	533
		महासमुंद	213
		बलोद	209
		रायपुर	269
		दुर्ग	352
कुल			**1576**
कुल योग			**8159**

******